

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग परिचय - १

रविवार, १० जुलाई, २०११

समय : सुबह ९.०० से ११.१५

कुल गुण : ७५



स्वामिनारायण
BAPS

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

👉 परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।

अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक महिना वर्ष

परीक्षार्थी का अभ्यास

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरीक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर

👉 पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।

परीक्षक के हस्ताक्षर

.....

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (९)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (५)	
	५ (४)	
	६ (४)	

विभाग-१, कुल गुण

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	७ (९)	
	८ (४)	
	९ (५)	
	१० (४)	
	११ (६)	
	१२ (४)	

विभाग-२, कुल गुण

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१३ (१०)	

विभाग-३, कुल गुण

मोडरेशन विभाग माटे ५

गुण शब्दोंमां

चेकर - नाम

परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ :-

१. आगे के मुख्य पृष्ठ पर परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ बारकोड अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुकसान मत किजिए ।
२. परीक्षार्थी को स्पष्ट और सुंदर अक्षर से आगे के पन्ने में मांगी हुई विवरण को लिखना अनिवार्य है ।
३. आप उत्तर पुस्तिका (जवाबवही) में कही भी, किसी भी जगह पर अपना नाम मत लिखें ।
४. मुख्य परीक्षा के दिन वर्गखंड में उपस्थित प्रत्येक परीक्षार्थी वर्ग निरीक्षक से अपनी नामयुक्त उत्तर पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर करा लें ।
५. बिना वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
६. प्रश्न के गुण → गुण : १ ← परीक्षक को प्रश्न जाँचकर गुण लिखने की जगह
७. परीक्षार्थी केवल ब्लू या केवल काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखे । पेन्सिल से अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से लिखि गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।
८. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए । अस्पष्ट उत्तर अमान्य होंगे ।
९. परीक्षा खंड के बाहर और अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी ।
१०. परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व मंजूरी बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'लेखाकार' या 'सबस्टीट्यूट राईटर' एवं 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तरवही रद्द गीनी जाएगी । एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावट रद्द मानी जाएगी ।
११. मुख्य परीक्षा के दिन उत्तरवही के इलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे ।

Important Instructions For Satsang Exam Students

1. **Please do not damage in any way the bar code printed on the front page.**
2. Please write clearly and legibly.
3. Do not write your name on the answer book.
4. On the day of the Final Satsang Examinations, all examinees should obtain the signature of the class supervisor on the answer sheet bearing their own personal details only.
5. Answer books without the signature of the Class Supervisor will be considered **NOT VALID.**
6. Marks for Question → 1 Mark ← Space for Examiner to write marks
7. **Write your answers with either a blue or black pen only. Answers written in pencil, or with a red, green or any other coloured pen will not be considered valid. Answers written in more than one coloured ink will not be considered valid.**
8. Follow the instructions while answering. Answers crossed out will not be considered valid.
9. Examinations taken at **unauthorized locations** or in which the exam rules have been violated will not be considered valid.
10. **Without the prior permission of the Pariksha Karyalay in Ahmedabad, answer papers written by substitute writers in place of the original candidate will not be accepted. Answer papers with more than one type of handwriting will not be accepted.**
11. **In Main Exam answers written on extra pages will not be considered valid.**

विभाग - १ : सहजानंद चरित्र

प्र. १ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

१. “रूपे भगवान ने दिये हैं, भगवान के काम में खर्च होने हैं और भगवान स्वयं माँग रहे हैं तो इस में सोचने और पूछने की आवश्यकता ही क्या है ? अभी इसी समय दे दीजिए ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

२. “ये साधु बिल्कुल मुझ जैसे ही हैं । इसलिए उनके दर्शन, सेवा, समागम करना ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

३. “स्वामिनारायण ने बहुत सुन्दर कार्य किया है ।”

कौन कहता है ? किसको कहता है ?

कब कहता है ?

.....

गुण : ३	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक 

--

 केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. २ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ६)

१. हरिभक्तों ने संतों के कठिन वर्तमान छुड़वाने के लिए महाराज से प्रार्थना की ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

२. श्रीजीमहाराज ने वरताल को द्वारिका की तरह तीर्थस्थान बनवाने का संकल्प किया ।

.....

.....

.....

.....

गुण : २	
---------	--

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ४ निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ५)

१. वरताल के उत्सव में जाते हुए श्रीजीमहाराज ने किसका व्यसन छुड़वाया ?

गुण : १

२. श्रीजीमहाराज ने अपने प्रकट होने के छः हेतु किसको और कहाँ समझाये ?

गुण : १

३. 'अजेन यजेत्' का सही अर्थ श्रीजीमहाराज ने क्या किया ?

गुण : १

४. श्रीजीमहाराज ने तेजा भक्त को क्या आशीर्वाद दिया ?

गुण : १

५. वरजांग जालिया में महाराज ने कैसे नहलवाने की बात की ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ५ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए खाने में सही (✓) का निशान करें । (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं । सभी सही विकल्प के आगे ही सही का निशान किया होगा तभी पूर्ण गुण दिए जायेंगे, अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. मूलजी भक्त की महिमा

गुण : २

(१) हमारा और उनका अनादि से प्रेम है । (२) धामरुप लालजी निर्गुण और गुणातीत हैं ।

(३) सबसे अलिप्त हैं । (४) धामरुप मूलजी निर्गुण और गुणातीत हैं ।

२. शोभाराम अंधा हुआ

गुण : २

(१) साक्षात् स्वामीश्री के दर्शन से वंचित रह गया ।

(२) साक्षात् परमेश्वर के दर्शन से वंचित रह गया ।

(३) तीन ही दिनों में वह अचानक अंधा हो गया ।

(४) चार ही दिनों में वह अचानक अंधा हो गया ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए । (कुल गुण : ४)

- की श्रीजीमहाराज ने भयानक शेर से रक्षा की थी ।
- 'वर निर्गुण रे, थया ब्रह्मरूप.....' कीर्तन ने रचा ।
- परमहंसों को 'निर्मान, निर्लोभ, निःस्नेह और निःस्वाद रहने के वर्तमान नियम का दृढ़तापूर्वक पालन करना ।'
- लोया में श्रीजीमहाराज का गरुड़ ले आये ।

गुण : १	
गुण : १	
गुण : १	
गुण : १	

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - २

प्र. ७ निम्नलिखित कथन कौन, किसको और कब कहता है, यह लिखिए । (कुल गुण : ९)

- "स्वामिनारायण के साधु प्रेमानन्द का संगीत सुनने के पश्चात् और किसी का संगीत सुनने का मन नहीं होता ।"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?
 कब कहता है ?

 गुण : ३

- "यदि तुम संन्यासी बन जाओ तो हम तुम्हें यहाँ रख लेंगे ।"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?
 कब कहता है ?

 गुण : ३

- "उसको कैसे मार सकता हूँ, जो आपका नाम जपती है ।"

कौन कहता है ? किसको कहता है ?
 कब कहता है ?

 गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ८ निम्नलिखित कथनों के बारे में कारण लिखिए । (दो से तीन पंक्ति में) (कुल गुण : ४)

- श्रीजीमहाराज ने कहा, "दादा तो दादा ही है । ऐसा दूसरा और कोई नहीं हो सकता ।"

.....

 गुण : २

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	गुण : प्र-९	प्र-१०	प्र-११
----------------------------------	-------------	--------	--------

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए । (कुल गुण : ४)

१. गुणातीतानंद स्वामी की विषयखंडन और स्वरूपनिष्ठा की बातें सुनकर नित्यानंद स्वामी क्या कहते थे ?

गुण : १

२. श्रीजीमहाराज के अग्निसंस्कार के समय पर चिता में कूदने को कौन उतारु हो गये ?

गुण : १

३. मूलजी ब्रह्मचारी के जीवन में से कौन सी दो चीजें हमें प्राप्त करने का प्रयत्न करना चाहिए ?

गुण : १

४. गुणातीतानंद स्वामी ने जागा भक्त को महाराज की मूर्ति के कौन-से चार प्रकार के सुख दिए ?

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.११ निम्नलिखित विषय के लिए सूचनानुसार छः सही क्रमांक और उस सही क्रमांक को घटनाक्रम के अनुसार लिखिए । (कुल गुण : ६)

विषय : लाडूबा की सेवाभावना

१. महाराज ने लाडूबा को श्रीकृष्ण की घटना का स्मरण कराया । २. शुक्ल पक्ष का अन्नकूट उत्सव मुझे करने दो ।
३. तुम्हारे सेवक क्या पिँगे ? ४. दिपावली और पूर्णिमा का उत्सव तुमने किया है । ५. उनकी शंका का निवारण कर शास्त्रों की सत्यता स्थापित की । ६. अन्नकूट के उत्सव पर तुम्हारी भक्तिमयी सेवा से मैं इतनी अधिक प्रसन्न हुई कि मैं स्वयं यहाँ अपने प्रत्यक्ष दर्शन तुम्हें देने के लिए चली आई । ७. भागवत में जो लिखा है वह सत्य है, इसका उत्तर हम तुम्हें किसी और दिन देंगे । ८. कृष्ण पक्ष के उत्सवों की व्यवस्था लाडूबा करें । ९. महाराज को दही में दुर्गंध आती हुई लगी । १०. शास्त्र के अनुसार अन्नकूट दीवाली का ही एक भाग है । ११. लाडूबा ने पूरी बनाई और उन्हें परोसी । १२. यदि तुम धर्म-नियम का पालन सुन्दर रीति से करो तो मैं यहाँ रह सकती हूँ ।

(१) केवल सही क्रमांक गुण : ३

(२) यथार्थ घटनाक्रम गुण : ३

सूचना : (१) केवल सही क्रमांक के सभी छः उत्तर क्रमांक सही होंगे तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे । (२) यथार्थ घटनाक्रम भी सही होगा तो ही ३ गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र.१२ निम्नलिखित गलत वाक्य को उसके विषय के अनुलक्ष्य में सही लिखिए । (कुल गुण : ४)

सूचना :- संपूर्ण वाक्य सही लिखा होगा तो ही गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा ।

१. स्वामी जागा भक्त : उन्होंने विचार किया कि शायद ये एकदम प्रागजी भक्त की साधुता को स्वीकार नहीं करेंगे । इसलिए पहले वे आचार्य महाराज के पास उन्हें ले गये ।

उ.

.....

गुण : १

२. मुकुन्दानन्द वर्णी (मूलजी ब्रह्मचारी) : तीसरे दिन मुक्तानन्द स्वामी दादाखाचर के दरबार में महाराज के दर्शन करने के लिए गये । वहाँ उन्होंने महाराज को फ़र्श पर सोये हुए देखा । नित्य की भाँति महाराज को जगाया ।

उ.

.....

गुण : १

३. श्रीकृष्णजी अदा : गुड़ को चावल के नीचे ढककर रखा था । जब स्वामी ने इस तरह ढका बड़ा गुड़ देखा तो उन्होंने उनकी प्यारपूर्ण चालाकी को टोका । हरजीवनदासजी ने संतों को परोसना आरम्भ किया ।

उ.

.....

गुण : १

४. प्रेमसखी प्रेमानन्द स्वामी : यह बच्ची किसी दूसरे की है, इसलिए या तो माँ इस बच्ची को त्याग दे या जान से मार दे । यह बच्ची परिवार में नहीं रह सकती । इन सब बातों से पिता बहुत दुःखी थे ।

उ.

.....

गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१३ निम्नलिखित किसी एक विषय पर करीब ३० पंक्ति में निबंध लिखिए । (कुल गुण : १०)

१. जीवनघड़न की नींव - सद्बांचन ।

२. स्वस्थ समाज के पोषक - स्वामिनारायणीय सन्तों ।

३. आदिवासी उत्कर्ष का आदर्श : प्रमुखस्वामी महाराज

()

.....

.....

.....

.....

.....

